उत्तराखण्ड राज्य

देवभूमि उद्यमिता योजना

EDII

DUY- Media Coverage

FMDP- Cohort-2

2024-25

THE HIMACHAL TIMES - DEHRADUN

DEHRADUN / I

EDII concludes 6-day Faculty Mentor Development Program

DEHRADUN, July 26 (HTNS):

The Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) in Ahmedabad concluded its 6-day Faculty Mentor Development Program under the Devbhoomi Udyamita Yojana. On the final day, Dr. Mahendra Joshi, one of the 26 participating faculty members from Uttarakhand, expressed his admiration for the training. He committed not only to fostering entrepreneurship among Uttarakhand's youth but also inspiring his own sons to become entrepreneurs. As part of the Uttarakhand government's initiative, these faculty members received specialized training to promote entrepreneurship in the state's higher educational institutions.

Dr. Sunil Shukla, Director General, EDII, presented participation certificates. Speaking on the occasion Dr. Shukla said that if you want the youth to be an entrepreneur, you will have to develop yourself as a role model for them. He praised the hardworking and honest nature of the people of Uttarakhand, highlighting these as essential qualities for becoming successful entrepreneurs.

During the program, faculty members presented detailed action plans to cultivate entrepreneurial mindsets among students. This plan included establishing entrepreneur clubs in colleges and organizing interactions with local entrepreneurs.

EDII provides training to 90 faculty members from the Higher Education Department annually through this program. Now in its second year, the Faculty Mentor Development Program featured discussions on various entrepreneurship topics, including psychometric tests, mentoring, the DUY portal, and start-up opportunity identification. The program also included visits to Gandhi Ashram and Akshardham.

Key speakers for the event included Dr. Sunil Shukla, Dr. Satya Ranjay Acharya, Dr. Amit Kumar Dwivedi, Dr. Pankaj Bharti, Dr. Rajiv Sharma, Dr. Baishali Mitra, and Snehal Desai.

विद्यार्थियों को मिलेंगे रोजगार के अवसर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल से डा. विजय कुमार वाणिज्य विभाग भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत डीएसबी परिसर नैनीताल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। डा. विजय कुमार के मुताबिक बीते 21 से 26 जुलाई तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

रोजगार का विकल्प बनेगा उद्यमिता : डा. विजय कुमार

- डीएसबी परिसर में जल्द खुलेगा देवभूमि उद्यमिता केंद्र
- भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौटे डा. विजय कुमार

आज समाचार सेवा

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल से डॉ.विजय कुमार वाणिज्य विभाग भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत डीएसबी परिसर नैनीताल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जायेगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। डॉ. विजय कुमार के मुताबिक बीते 21 से 26 जुलाई तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

राज्य के विकास में महत्वपूर्ण कदम देवभूमि उद्यमिता केंद्र : डॉ भारती

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने देवभूमि उद्यमिता केंद्र के माध्यम से राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने

○ अहमदाबाद से छः दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सहायक प्रोफेसर ने दी जानकारी

○ गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा देने का होगा प्रयास : प्राचार्य

को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (इंडीआईआई) अहमदाबाद, गुजरात के सहयोग से विभाग ने छः दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए पर्यटन प्रबंधन और साहसिक प्रबंधन के सहायक प्रोफेसर डॉ विक्रम वीर भारती को प्रायोजित किया। यह कोर्स पिछले दिनों ही संपन्न हुआ है।

राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग के प्राचार्य डॉ आशुतोष त्रिपाठी ने जिले के गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक सच्चे राजदूत के रूप में उनकी क्षमता को पहचानते हुए डॉ विक्रम को इस पाठ्यक्रम के लिए नामांकित किया है। डॉ विक्रम राज्य भर में छात्रों को उनके स्टार्टअप और व्यावसायिक पहल में सक्रिय रूप से समर्थन दे रहे हैं और उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय की एक पहल नमामि गंगे की अर्थ गंगा योजना के तहत कई प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएं आयोजित की हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद डॉ विक्रम अपने कॉलेज और पूरे जिले में विभिन्न उद्यमिता विकास प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर उत्साहित हैं। ईडीआईआई गुजरात में प्रशिक्षण में विशेषज्ञों का एक प्रतिष्ठित पैनल शामिल था, जिन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश प्रदान किए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रतिभागियों को मूल्यवान उद्योग अंतर्दृष्टि प्राप्त हो। संस्थान ने उद्यमिता और व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया। प्राचार्य डॉ आशुतोष त्रिपाठी ने बताया कि महानिदेशक प्रो सुनील शुक्ला और प्रशिक्षण निदेशक डॉ अमित के द्विवेदी उद्यमिता विकास के लिए सर्वोत्तम शैक्षणिक दृष्टिकोण को नियोजित करने के लिए समर्पित हैं। उनके प्रयासों का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि उत्तराखंड के संकाय सदस्यों को समूह 1, 2 और 3 के दौरान शीर्ष स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त हो। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता केंद्र देहरादून संकाय सदस्यों को इस कार्य में पूरी तरह से सहयोग कर रहा है।

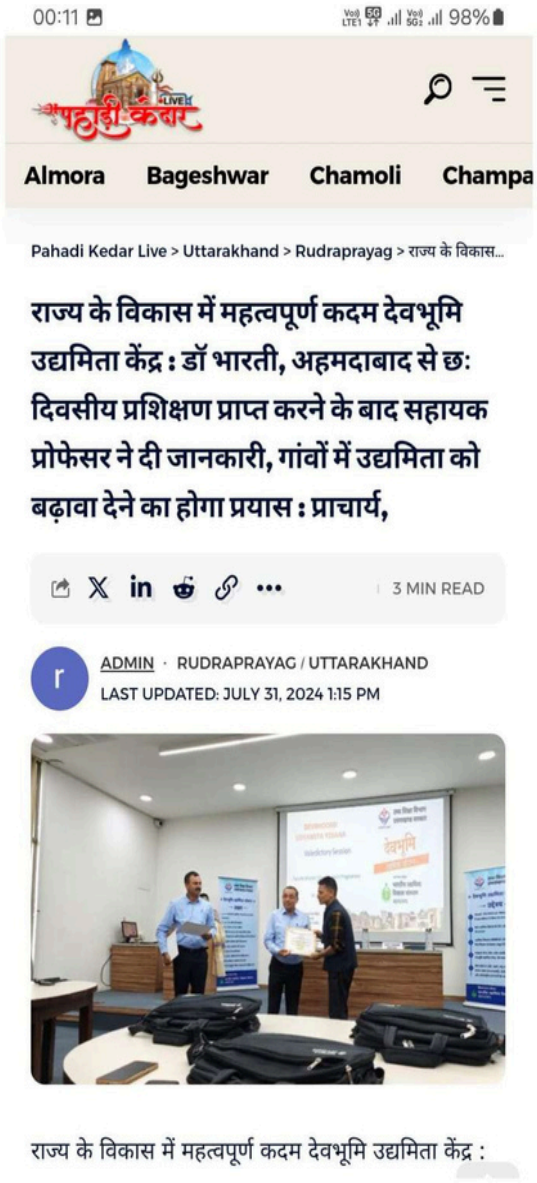

राज्य के विकास में महत्वपूर्ण कदम देवभूमि उद्यमिता केंद्र :
डॉ भारती,
अहमदाबाद से छः दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सहायक प्रोफेसर ने दी जानकारी,
गांवों में उद्यमिता को बढ़ावा देने का होगा प्रयास : प्राचार्य
रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने देवभूमि उद्यमिता केंद्र के माध्यम से राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद, गुजरात के सहयोग से विभाग ने छः दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए पर्यटन प्रबंधन और साहसिक प्रबंधन के सहायक प्रोफेसर डॉ विक्रम वीर भारती को प्रायोजित किया। यह कोर्स पिछले दिनों ही संपन हुआ है।

एक सच्चे राजदूत के रूप में उनकी क्षमता को पहचानते हुए डॉ विक्रम को इस पाठ्यक्रम के लिए नामांकित किया है। डॉ विक्रम राज्य भर में छात्रों को उनके स्टार्टअप और व्यावसायिक पहल में सक्रिय रूप से समर्थन दे रहे हैं और उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय की एक पहल नमामि गंगे की अर्थ गंगा योजना के तहत कई प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद डॉ विक्रम अपने कॉलेज और पूरे जिले में विभिन्न उद्यमिता विकास प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर उत्साहित हैं। ईडीआईआई गुजरात में प्रशिक्षण में विशेषज्ञों का एक प्रतिष्ठित पैनल शामिल था, जिन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश

Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com
• हल्द्वानी • शुक्रवार • 2 अगस्त 2024
सांध्य दैनिक उत्तरांचल दीप
4

उद्यमिता को अपनाने के मकसद से फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम

नैनीताल

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालयों से प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत कुमाऊं

विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल से डॉ.विजय कुमार वाणिज्य विभाग भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत डीएसबी परिसर नैनीताल में देवभूमि उद्यमिता केंद्र खोला जाएगा तथा विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जायेगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा तथा सफ ल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। डॉ. विजय कुमार के मुताबिक बीते 21 से 26 जुलाई तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राजकीय महाविद्यालय के प्राध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

रोजगार का विकल्प साबित होगा उद्यमिता प्रशिक्षण: नेगी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : उद्यमिता के गुर सीखने से ही विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। उद्यमिता ही रोजगार का विकल्प बनेगा। यह बात प्रो. जगमोहन सिंह नेगी ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद यहां लौटकर कही। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए डिग्री कॉलेजों में फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस योजना के तहत पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से प्रो. जगमोहन सिंह नेगी ने अहमदाबाद से लौटकर बताया कि इस योजना के तहत महाविद्यालय में विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूट कैंप आयोजित होगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम होगा।

प्राचार्य प्रोफेसर एमसी पांडे ने प्रोफेसर नेगी को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके निर्देशन में विद्यार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

अहमदाबाद में प्रमाण पत्र प्राप्त करते प्रो. जगमोहन सिंह नेगी। ● अमृत विचार

रोजगार का विकल्प बनेगा उद्यमिता : नेगी

रामनगर। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों और राजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है।

इस योजना के तहत पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर से प्रो. जगमोहन सिंह नेगी, प्रोफेसर एवं विभाग प्रभारी, रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से प्रशिक्षित होकर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत महाविद्यालय में विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इसके लिए बूट कैंप आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा। इन्होंने कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा इसमें सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्राचार्य प्रो. एमसी पाण्डे ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से प्रशिक्षित प्रो. जगमोहन सिंह नेगी को बधाई प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए अपेक्षा की। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार सहित चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर. एसएस मौर्या ने बधाइयां दी।

रोजगार का विकल्प बनेगा उद्यमिता : प्रोफेसर नेगी

रामनगर।उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों में रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए जागृत करने के विशेष मकसद से फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों और राजकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है,और फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत पीएनजी पीजी महाविद्यालय से प्रो. जगमोहन सिंह नेगी, प्रोफेसर एवं विभाग प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए बूथ कैंप आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करायाजाएगा। उन्होंने कहा कि दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा इसमें सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।प्राचार्य प्रोफेसर एमसी पाण्डे ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान,अहमदाबाद से प्रशिक्षित प्रोफेसर जगमोहन सिंह नेगी को बधाइयाँ प्रदान करते हुए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए अपेक्षा की।इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार सहित चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर एसएस मौर्या ने बधाइयाँ दी।

रामनगर : रोजगार का विकल्प बनेगा उद्यमिता – प्रो. जगमोहन सिंह नेगी

By nainitalnewsline.in

AUG 2, 2024

उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राजकीय महाविद्यालय से अध्यापकों को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है तथा फैकल्टी मेंटर बनाया जा रहा है इस योजना के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर से प्रो. जगमोहन सिंह नेगी, प्रोफेसर एवं विभाग प्रभारी रसायन विज्ञान विभाग, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से प्रशिक्षण लेकर लौट आए है उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत महाविद्यालय में विद्यार्थियों को रोजगार के विकल्प के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा, इसके लिए बूट कैंप किया जाएगा। विद्यार्थियों का इस योजना के लिए पंजीकरण करवाया जाएगा कहां की दो सप्ताह का उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा सफल उद्यमियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रोफेसर जगमोहन सिंह नेगी के मुताबिक भारतीय उपयोगिता विकास संस्थान अहमदाबाद में उत्तराखंड के विभिन्न विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय महाविद्यालय के अध्यापकों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया था।

सहयोगी अधिवक्ता के पास स्टार हेल्थ एलाइड इंश्योरेंस कंपनी की स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी है लेकिन इस कंपनी ने किसी भी उचित कारण से तत्काल वित्तीय सहायता देने से इनकार कर दिया है।

संकायाध्यक्ष प्रो. चित्रा पांडे ने कहा कि कुलपति प्रो.रावत की प्रेरणा से

रोजगार के अवसर देगा मैंटरशिप प्रोग्राम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय के दो शिक्षकों ने फैकल्टी मेंटरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम पूरा किया है। हाल ही में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अपने 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम (21-26 जुलाई) का समापन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कुल 26 शिक्षकों ने भाग लिया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार की पहल के तहत इन शिक्षकों को राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया

है। इस कार्यक्रम के तहत डा. अखिलेश सिंह और डा.आशीष टम्टा, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष उत्तराखंड के 90 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने की योजना प्रस्तावित है। इस योजना का यह दूसरा वर्ष है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य राज्य भर के युवाओं को उद्यमिता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता कौशल विक. सित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान, शिक्षकों ने छात्रों के बीच उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करने के लिए विस्तृत कार्य योजनाएँ प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डा.सुनील शुक्ला, डा.सत्य रंजन आचार्य, डा.अमित कुमार द्विवेदी, डा. पंकज भारती, डा.राजीव शर्मा, डा.बैशाली मित्रा और स्नेहल देसाई आदि शामिल थे। देवभूमि उद्यमिता योजना का प्रमुख उद्देश्य उद्यमिता और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के लिए माहौल बनाना और उसे बढ़ावा देना है।

यूओयू के दो शिक्षकों ने पूरा किया फैकल्टी मेंटरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम

हल्द्वानी। हाल ही में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अपने 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन किया। डॉ. अखिलेश सिंह और डॉ. आशीष टम्टा, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष उत्तराखंड के 90 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने की योजना प्रस्तावित है। इस योजना का यह दूसरा वर्ष है। इस मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग, डीयूवाई पोर्टल और स्टार्ट-अप अवसर पहचान सहित उद्यमिता से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

कई वर्षों से चल रहा था। भवन के निर्माण कार्य में लगातार अनियमितताओं के आरोप लगते रहे। छात्र संघ के पदाधिकारियों समेत विभिन्न छात्र संगठनों ने भी इसे लेकर कॉलेज उग्र आंदोलन करेगा। इस दौरान कमल बोहरा, चंद्रप्रकाश सनवाल, दीपक बधानी, हेमंत सिंह कपकोटी, पंकज बुढलाकोटी समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कवल स्तनपान कराय जान हतु विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों के द्वारा जागरूक किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि मां का दूध

करता है तथा महिलाओं में ब्रेस्ट और ओवेरियन कैंसर के खतरे को कम करता है। यह प्राकृतिक तरीके से मां के वजन को नियंत्रित भी रखता है। उन्होंने बताया

कुछ अपने आहार में देना शुरू कर दे कम से कम दो वर्षों तक स्तनपान जारी रखें। कार्यक्रम का संचालन मदन मेहरा जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा किया गया।

6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने पूरा किया फैकल्टी मेंटरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम। हाल ही में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई.डी.आई.आई), अहमदाबाद ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अपने 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम (21-26 जुलाई) का समापन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कुल 26 शिक्षकों ने भाग लिया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार की पहल के तहत इन शिक्षकों को राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत डॉ. अखिलेश सिंह और डॉ. आशीष टम्टा, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष उत्तराखंड के 90 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने की योजना प्रस्तावित है। इस योजना का यह दूसरा वर्ष है। इस मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग, डीयूवाई पोर्टल और स्टार्ट-अप अवसर पहचान सहित उद्यमिता से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। देवभूमि उद्यमिता योजना, उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की एक पहल है, जिसे भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समस्त उत्तराखंड राज्य में लागू किया जा रहा है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य राज्य भर के युवाओं को उद्यमिता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। देवभूमि उद्यमिता योजना एक महत्वपूर्ण पहल है जो उत्तराखंड के युवाओं में उद्यमिता और स्वरोजगार के विकास का समर्थन करती है तथा नवाचार को प्रोत्साहित करती है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य समग्र और रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से शैक्षणिक परिसरों, ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित तथा हाशिए पर पड़े लोगों के बीच उद्यमिता विकास और स्टार्टअप निर्माण मिशन को मजबूत कर राज्य को अपेक्षित उद्यमिता के मार्ग पर ले जाना है। इस कार्यक्रम के दौरान, शिक्षकों ने छात्रों के बीच उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करने के लिए विस्तृत कार्य योजनाएँ प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला, डॉ. सत्य रंजन आचार्य, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ. पंकज भारती, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. वैशाली मित्रा और श्री स्नेहल देसाई आदि शामिल थे। देवभूमि उद्यमिता योजना का प्रमुख उद्देश्य उद्यमिता और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के लिए माहौल बनाना और उसे बढ़ावा देना है।

हिन्दुस्तान

• हिन्दुस्तान टीम,हल्द्वानी

Fri, 02 Aug 2024 05:15 PM

हमें फॉलो करें

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में 21 से 26 जुलाई तक संचालित 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया। शिक्षकों का यहां पहुंचने पर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. अखिलेश सिंह और डॉ. आशीष टम्टा, सहायक प्रोफेसर पर्यटन विभाग यूओयू ने हिस्सा लिया। इस दौरान शिक्षकों को युवाओं में उद्यमिता कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किये जाने को लेकर बताया गया।

BASTI TIMES 24 NEWS
जनता की आवाज़

प्रशिक्षण पाकर युवा बन सकेंगे उद्यमी, कम होगी बेरोजगारी..... डॉ दर्शन सिंह कम्बोज

By getting training, youth will be able to become entrepreneurs, unemployment will decrease..... Dr. Darshan Singh Kamboj

Rampal singh Dhangar · 17 hours ago · 26

1 minute read

ब्यूरो रिपोर्ट... अनीता पाल

बाजपुर... राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर का देवभूमि उद्यमिता केंद्र चलाएगा उद्यमिता प्रशिक्षण शिविर

- भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से विशेष प्रशिक्षण लेकर लौटे डॉ दर्शन सिंह कम्बोज

उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में हुए एमओयू के तहत विद्यार्थियों को तथा समाज को उद्यमिता के प्रति जागरूक करने के मकसद से फैकल्टी मेंटल विकास कार्यक्रम अहमदाबाद में आयोजित किया जा रहे हैं।

उत्तराखंड के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से चयनित प्राध्यापकों को फैकल्टी मेंटर विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है इस योजना के तहत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर से डॉक्टर दर्शन सिंह कम्बोज भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से प्रशिक्षण लेकर लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत महाविद्यालय का उद्यमिता विकास केंद्र विद्यार्थीयों एवं स्थानीय युवाओं को उद्यमिता हेतु जागरूक करेगा एवं चयनित युवाओं को प्रशिक्षत कर उन्हें उद्यमी बनने हेतु आगे बढ़ाने में सहयोग करेगा। इस हेतु विद्यार्थियों एवं स्थानीय युवाओं का पंजीकरण किया जाएगा एवं महाविद्यालय में बूट कैंप व ईडीपी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

pradhantimes 03...

प्रधान टाइम्स

शनिवार 03 अगस्त 2024, अल्मोड़ा

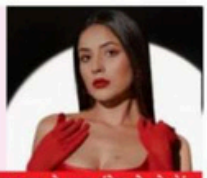

बॉलीवुडः शहनाज के नए लुक से खूब इंप्रेस हो रहे फैंस

अल्मोड़ा, देहरादून, सहारनपुर से प्रकाशित POSTAL REGD. NO. UA/DN 140-03 संपादक-9411115027 वर्ष 11 अंक 175 आर.एन.आई. नं. UTTHIN/2014/55930 मूल्य रु. 1.00 पृष्ठ-12

केदारनाथ में वायुसेना का एमआई 17 और चिनूक हेलीकाप्टर पहुंचा रेस्क्यू के लिये

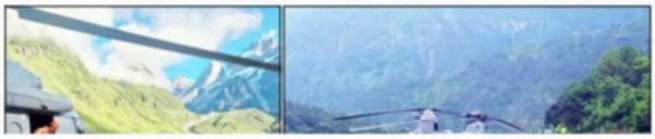

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर बादल फटने के कारण मची तबाही के बाद वायुसेना का एमआई 17 और चिनूक हेलीकाप्टर गुरूवार सांय को ही गौचर पहुंच गया था। एमआई 17 ने गौचर से सुबह केदारनाथ धाम के लिये उड़ान भरी और कुछ एनडीआरएफ के जवानों को रेस्क्यू का रेस्क्यू किया जाना था, लेकिन एमआई 17 ने केदारनाथ धाम का एक ही चक्कर लगाया और इसके बाद धाम में मौसम खराब हो गया। फिर न एमआई 17 और ना चिनूक धाम के लिये उड़ान भर पाया। इन हेलीकाप्टरों के जरिये एनडीआरएफ के जवानों को भी केदारनाथ धाम जाना था, लेकिन उड़ाने न

विभिन्न छात्र संगठनों ने भी इसे लेकर कॉलेज समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। ने जानकारी देते हुए कहा कि मां का दूध को नियंत्रित भी रखता है। उन्होंने बताया जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा किया गया।

6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने पूरा किया फैकल्टी मेंटरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम। हाल ही में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई.डी.आई.आई), अहमदाबाद ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अपने 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम (21-26 जुलाई) का समापन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कुल 26 शिक्षकों ने भाग लिया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार की पहल के तहत इन शिक्षकों को राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत डॉ. अखिलेश सिंह और डॉ. आशीष टम्टा, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष उत्तराखंड के 90 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने की योजना प्रस्तावित है। इस योजना का यह दूसरा वर्ष है। इस मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग, डीयूवाई पोर्टल और स्टार्ट-अप अवसर पहचान सहित उद्यमिता से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। देवभूमि उद्यमिता योजना, उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की एक पहल है, जिसे भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समस्त उत्तराखंड राज्य में लागू किया जा रहा है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य राज्य भर के युवाओं को उद्यमिता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। देवभूमि उद्यमिता योजना एक महत्वपूर्ण पहल है जो उत्तराखंड के युवाओं में उद्यमिता और स्वरोजगार के विकास का समर्थन करती है तथा नवाचार को प्रोत्साहित करती है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य समग्र और रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से शैक्षणिक परिसरों, ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित तथा हाशिए पर पड़े लोगों के बीच उद्यमिता विकास और स्टार्टअप निर्माण मिशन को मजबूत कर राज्य को अपेक्षित उद्यमिता के मार्ग पर ले जाना है। इस कार्यक्रम के दौरान, शिक्षकों ने छात्रों के बीच उद्यमशीलता की मानसिकता को विकसित करने के लिए विस्तृत कार्य योजनाएँ प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला, डॉ. सत्य रंजन आचार्य, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ. पंकज भारती, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. वैशाली मिश्रा और श्री श्रेहल देसाई आदि शामिल थे। देवभूमि उद्यमिता योजना का प्रमुख उद्देश्य उद्यमिता और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के लिए माहौल बनाना और उसे बढ़ावा देना है।

hps://youtu.be/mbsEoK5CwOY?si=8IYO7Gd4Wezo49Y5

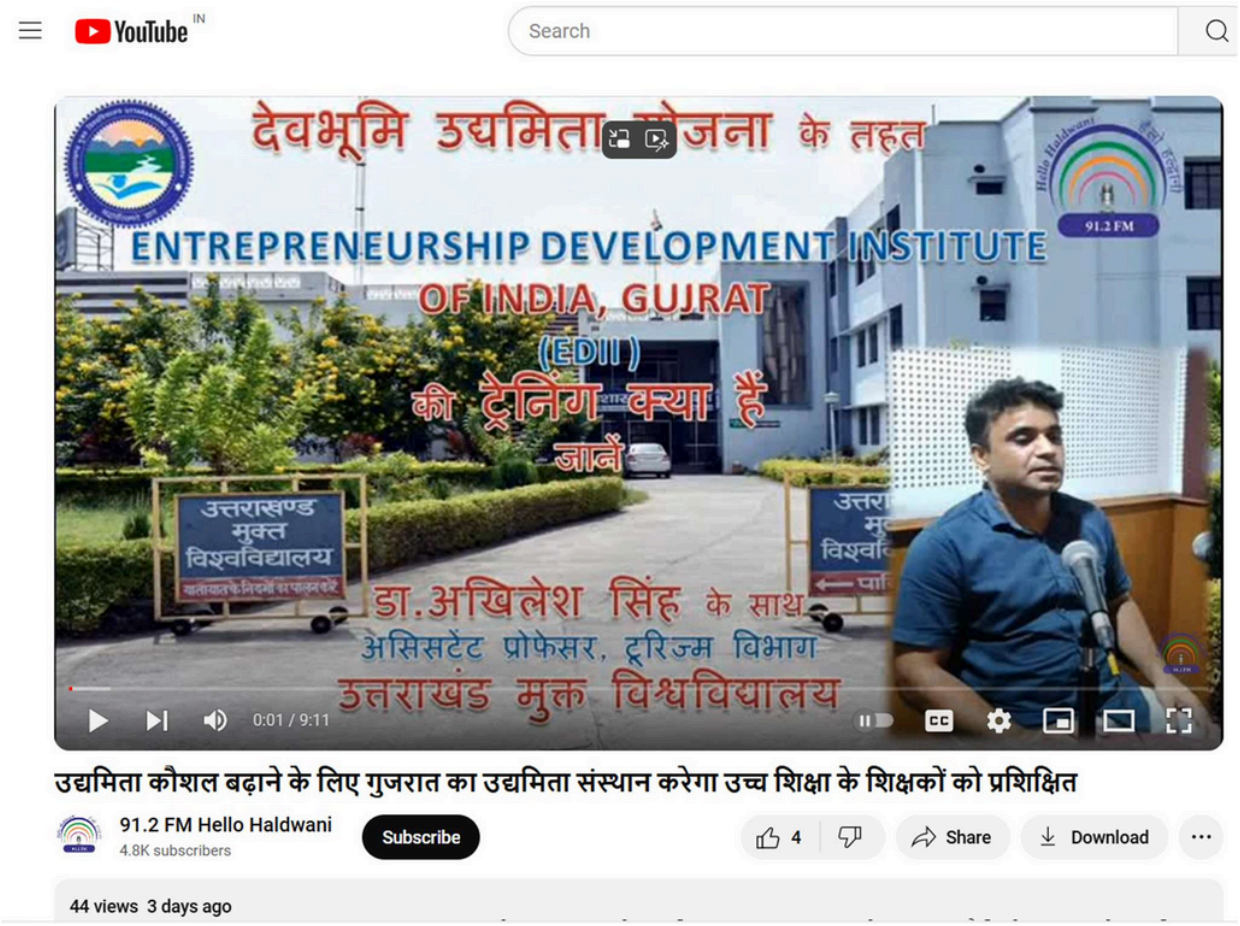

hps://youtu.be/mbsEoK5CwOY?si=8IYO7Gd4Wezo49Y5

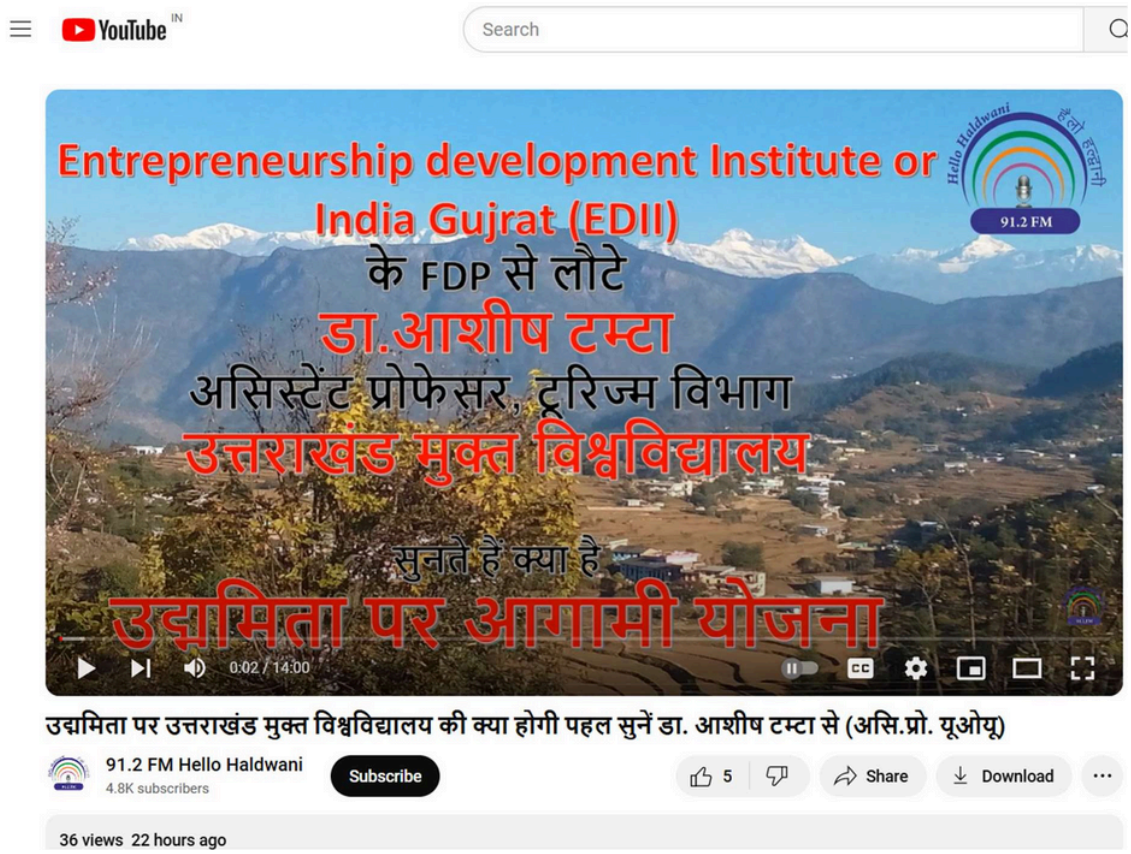

hps://www.youtube.com/watch?v=v8A67hHMBtI

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने पूरा किया फैकल्टी मेंटरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम

हल्द्वानी। हाल ही में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई.डी.आई.आई), अहमदाबाद ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अपने 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम (21–26 जुलाई) का समापन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कुल 26 शिक्षकों ने भाग लिया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार की पहल के तहत इन शिक्षकों को राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत डॉ. अखिलेश सिंह और डॉ. आशीष टम्टा, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष उत्तराखंड के 90 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने की योजना प्रस्तावित है। इस योजना का यह दूसरा

वर्ष है। इस मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग, डीयूवाई पोर्टल और स्टार्ट–अप अवसर पहचान सहित उद्यमिता से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार–विमर्श किया गया। देवभूमि उद्यमिता योजना, उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की एक पहल है, जिसे भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समस्त उत्तराखंड राज्य में लागू किया जा रहा है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य राज्य भर के युवाओं को उद्यमिता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में डॉ. सुनील शुक्ला, डॉ. सत्य रंजन आचार्य, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, डॉ. पंकज भारती, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. बैशाली मित्रा और श्री स्नेहल देसाई आदि शामिल थे। देवभूमि उद्यमिता योजना का प्रमुख उद्देश्य उद्यमिता और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के लिए माहौल बनाना और उसे बढ़ावा देना है।

उत्तराखण्ड राज्य
Department of Higher Education
Govt. of Uttarakhand

ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT INSTITUTE OF INDIA
Faculty Mentor Development Programme
[21 - 26 July, 2024]

EDII

उत्तराखण्ड

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने पूरा किया फैकल्टी मेंटरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम।

हल्द्वानी-हाल ही में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई.डी.आई.आई), अहमदाबाद ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अपने 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट प्रोग्राम (21-26 जून) का समापन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखंड के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कुल 26 शिक्षकों ने भाग लिया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार की पहल के तहत इन शिक्षकों को राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत डॉ. अखिलेश सिंह और डॉ. आशीष टम्टा, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत 6 दिवसीय फैकल्टी मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष उत्तराखंड के 90 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए जाने की योजना प्रस्तावित है। इस योजना का यह दूसरा वर्ष है। इस मेंटर डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत साइकोमेट्रिक टेस्ट, मेंटरिंग, डीयूवाई पोर्टल और स्टार्ट-अप अवसर पहचान सहित उद्यमिता से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। देवभूमि उद्यमिता योजना (DUY), उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की एक पहल है, जिसे भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद द्वारा समस्त उत्तराखंड राज्य में लागू किया जा रहा है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य राज्य भर के युवाओं को उद्यमिता कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। देवभूमि उद्यमिता योजना एक महत्वपूर्ण पहल है जो उत्तराखंड के युवाओं में उद्यमिता और स्वरोजगार के विकास का समर्थन करती है तथा नवाचार को प्रोत्साहित करती है। देवभूमि उद्यमिता योजना का उद्देश्य समग्र और रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से शैक्षणिक परिसरों

राजकीय महाविद्यालय नन्दानगर में उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। राजकीय महाविद्यालय नन्दानगर में उद्यमिता जागरूकता से सम्बन्धित कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उत्तराखण्ड सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग में उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु देवभूमी उद्यमिता केन्द्र की स्थापना की जिसके तहत गत माह जुलाई 21–26 तक भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई वडी०आई० आई०) अहमदाबाद में उत्तराखण्ड के उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के लिए राजकीय महाविद्यालय नन्दानगर से डा. आशु रोलेट का चयन हुआा था। उत्तराखण्ड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के इस संयुक्त प्रयास को साकार करने हेतु राजकीय महाविद्यालय नन्दानगर में उद्यमिया जागरुकता से सम्बन्धित जानकारी को डा. आशु रोलेट द्वारा बांटा गया। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड के इन पहाड़ी क्षेत्रों में कृषि, पर्यटन, ट्रैकिंग इत्यादि में करियर बनाने के अनेकों अवसर हैं। शनिवार को आयोजित हुऐ इस कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं को उद्यमिता से जुड़ी सामान्य जानकारी बांटी गई और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन से जुड़े हुए विचारों एवं प्रयासों को विकसित करने को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में समस्त छात्र–छात्राएं प्राध्यापक डा.दीपक कुमार, डा. अब्दुल अहमद, करीन रानी, राहुल, नरेश, भरत आदि मौजूद थे।

उद्यमिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की तलाश :अमित मिश्र

अमर हिन्दुस्तान

गोपेश्वर। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के बीच हुए एम ओयू के तहत विद्यार्थियों में उद्यमिता को रोजगार की एक विकल्प के रूप में अपनाने हेतु छात्र-छात्राओं में जागृति लाने के उद्देश्य से दिनांक 21 से 26 जुलाई 2024 तक अहमदाबाद में फैकल्टी मैटर विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजकीय विधि महाविद्यालय गोपेश्वर से फैकल्टी मेंटर के रूप में सहायक प्राध्यापक श्री अमित कुमार मिश्र ने प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त किया ।अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में आज छात्राओं को विधि विषय क्षेत्र में उद्यमिता के विभिन्न अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित करने में बहुत लाभकारी होगी।वही महाविद्यालय के प्राचार्य श्री राजेश कुमार ने बताया कि एलएलबी पाठ्यक्रम में बार काउंसिल आफ इंडिया द्वारा निर्धारित करिकुलम से पहले से ही विधि क्षेत्र में स्वरोजगार पेशेवर अधिवक्ता विभिन्न कानूनी परामर्श प्रदान करने के लिए 15 दिनों का इंटरशिप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कराया जा रहा है।जिससे उन्हें विधि क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर तलाशने की संभावना से परिचित किया जा रहा।

राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसौड़ में हुआ उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम

उत्तरकाशी, चिन्यालीसौड़। राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसौड़ में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को उद्यमिता के विषय में जानकारी प्रदान की तथा बताया कि उद्यमिता के माध्यम से सभी छात्र-छात्राएं अपने बेहतर भविष्य का निर्माण कर दूसरे को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। उसके पश्चात भूगोल विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर किशोर चौहान ने गंगाजल, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों को लेकर व्यावसायिक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ आराधना सिंह, डॉ.रजनी लस्याल, डॉ.सुगंधा वर्मा, डॉ,भूपेश चंद्र, डॉ. कपिल सेमवाल, श्री राम चंद्र नौटियाल आदि शिक्षकों के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रीनगर amarujala.com

छात्रों को स्नातक स्तर से मिलेंगे बेहतर उद्यमी बनने के टिप्स

ईडीआईआई ने शिक्षकों को उद्यमी तैयार करने का दिया प्रशिक्षण

मुकेश चंद्र आर्य

पौड़ी। गणित, विज्ञान व अन्य विषयों को पढ़ने के साथ ही अब स्नातक स्तर पर ही छात्रों को उद्यमी बनने के लिए भी प्रेरित होंगे।

यानी शिक्षक अब युवाओं को अपने कॉलेज स्तर पर ही उद्यमी बनने की तकनीकी जानकारियां देंगे। जिससे युवा अपने आसपास के उत्पादों से ही स्वरोजगार कर सकेंगे। यह कार्यक्रम प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों व डिग्री कालेजों में शुरू होने जा रहा है।

पहले चरण में प्रदेश के करीब 30 यूजी व पीजी कॉलेजों के सहायक आचार्यों (असिस्टेंट प्रोफेसरों) को गुजरात के भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद में छह दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

महाविद्यालय में उद्यमिता विकास को लेकर हुई गोष्ठी में प्राचार्य डॉ. डीएस चौहान, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. आशीष घिल्डियाल आदि ने कार्यक्रम को सराहनीय बताया। संवाद

पहाड़ में ईको टूरिज्म और जैविक उत्पादों का असीमित है बाजार

ईडीआईआई से प्रशिक्षण लेकर लौटे खिर्सू महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सर्वेश कुमार ने बताया कि पहाड़ों में ईको टूरिज्म व जैविक उत्पादों की देश-विदेश में अपार संभावनाएं हैं। स्नातक स्तर पर ही छात्रों को मंडवा, कोदा, माल्टा व अन्य जैविक उत्पादों से बेहतर स्वरोजगार उत्पन्न कर बेहतर उद्यमी बनने के लिए तैयार किया जाएगा। युवाओं को स्नातक स्तर से ही अपने क्षेत्र की तकनीकी जानकारियां होंगी तो आसानी से वे स्वरोजगार अपना सकते हैं।

सभी शिक्षण संस्थानों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

डॉ. सर्वेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के आचार्यों को उद्यमी बनने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें 30-30 शिक्षकों का एक बैच तैयार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की जानकारी 200 शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों को दी जाएगी